

SHRI SUNDER LAL PATWA (POSTHUMOUS)

Shri Sunder Lal Patwa, Ex. Chief Minister of Madhya Pradesh and Ex. Union Cabinet Minister was born on November 11, 1924 in Village Kukdeshwar, a small town in the North West corner of MP in Madsour District. He was a bright child from the birth and he had interest in sports, music, agriculture, Cooperative Sector and Industry. After passing the Intermediate class, he helped his father in agriculture, and business.

2. Shri Patwa was associated with Indore Rajya Praja Mandal since 1941, R.S.S since 1942 and R.S.S. Vistarak, 1947-1951. He was imprisoned for seven months for participating in R.S.S. movement in 1948 and was an active worker of Jana Sangh, Treasurer, Jana Sangh from 1967-74. He was detained under M.I.S.A. during Emergency from June 1975 to January 1977. He was awarded the "Vidhan Gaurav" in the All India Conference of Presiding Officers in 1989.

3. Shri Patwa had held various posts which include Member of Madhya Pradesh Legislative Assembly (three terms)(1957-67), (1977-97) and (1998); Chief Whip, Opposition Party, Madhya Pradesh Legislative Assembly(1957-67); General Secretary, Jana Sangh, Madhya Pradesh(1975);Member, Working Committee Janta Party(1977); Chief Minister Madhya Pradesh (Twice)(Jan. 1980 – Feb.1980), (March 1990 – December 1992); MLA (Leader Opposition), Madhya Pradesh Legislative Assembly(1980-85); Chairmen, Public Account Committee, Madhya Pradesh Legislative Assembly; President, B.J.P, Madhya Pradesh; Member, General Purpose Committee, Madhya Pradesh Legislative Assembly(1986); MLA & elected Chief Minister of Madhya Pradesh(1990 – 1992); Elected MLA for the seventh time(1993); MP elected to 11th Lok Sabha (1997); Re-elected to 13th Lok Sobha (2nd Term), National Vice President of BJP(1999); Union Cabinet Minister, Rural Development(13 Oct 1999) - (30 September 2000); Union Cabinet Minister, Chemical and Fertilizers(30 Sep 2000 – 7 Nov 2000);Union Cabinet Minister, Mines (7 Nov. 2000– 1 September 2001).

4. In Patwa's travails as Chief Minister, BJP found the organizational strength in Madhya Pradesh. His successes laid the foundation of a spectacular electoral run BJP has had in Madhya Pradesh since 1989 in Lok Sabha elections and later in Assembly election. Shri Patwa like many Jan Sangh and BJP peers was one of the architects of the modern day BJP, which is equipped to confidently govern learning from the experiences of man like Patwa. He had strong organization skill and charismatic personality. He always believed in doing good to the society without getting varied for the results. His life was dedicated to the well-being of the society. His life was role model for the society. As in his long political life, Shri Patwa remains a quintessential party man till his death.

5. Shri Patwa passed away on December 28, 2016.



श्री सुन्दरलाल पटवा (मरणोपरांत)

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुन्दरलाल पटवा का जन्म मध्य प्रदेश के उत्तर पश्चिमी कोने में स्थित मंदसौर जिले के एक छोटे से कस्बे कुकदेश्वर ग्राम में हुआ था। आप जन्मजात अत्यधिक मेधावी बालक थे और आपकी रूचि खेलकूद, संगीत, कृषि, सहकारी क्षेत्र और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों में रही है। बारहवीं पास करने के पश्चात, आप अपने पिता के साथ खेती और व्यवसाय में उनकी मदद करने लगे थे।

2. आपका जन्म नवम्बर 11, 1924 को हुआ । आप 1941 से राज्य प्रजा मंडल से, वर्ष 1942 से आर एस एस से और 1947 से 1951 तक की अवधि के दौरान आर एस एस विस्तारक के रूप में जुड़ गए। आपको वर्ष 1948 में आर एस एस आंदोलन में भाग लेने के कारण सात माह के लिए कारावास में डाल दिया गया था। तथापि, आपने 1967 से 1974 तक की अवधि मे जनसंघ कार्यकर्त्ता और जनसंघ के कोषाध्यक्ष जैसे पदों पर सक्रिय रूप से अपनी भूमिका का निर्वहन किया। आपको आपात्काल के दौरान जून 1975 से जनवरी 1977 तक की अवधि में मीसा के तहत निरूद्ध कर लिया गया था। आपको वर्ष 1989 में पीठासीन (प्रेसाइडिंग) अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन में "विधान गौरव" की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

3. आपने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया है जिनमें मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य (तीन कार्यकाल 1957-67, 1977-97 और 1998), मध्य प्रदेश विधानसभा के विपक्षी दल के चीफ व्हिप (1957-67); जनसंघ, मध्य प्रदेश के महासचिव (1975); जनता पार्टी कार्यकारी परिषद के सदस्य (1977); मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री (दो-बार) (जनवरी 1980 से फरवरी 1980), (मार्च 1990 से दिसंबर 1992); मध्य प्रदेश विधान सभा के विपक्षी दल के नेता (1980-85), मध्य प्रदेश विधान सभा, लोक लेखा समिति के अध्यक्ष; मध्य प्रदेश बी.जे.पी के अध्यक्ष, जनरल परपज कमेटी, मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य (1986); सातवीं बार चुने गए विधायक (1993); 11वीं लोक सभा के संसद सदस्य (1997); 13वीं लोक सभा में दुबारा चुने गए (दो कार्यकाल), बी.जे.पी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (1999); केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, ग्रामीण विकास (13 अक्तूबर, 1999-30 सितंबर, 2000), केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, रसायन एवं उर्वरक (30 सितंबर, 2000- 07 नवंबर, 2000), केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, खान (7 नवंबर, 2000 – 01 सितंबर, 2001) जैसे पद शामिल हैं।

4. बी.जे.पी. के मुख्यमंत्री के रूप में आपके अथक प्रयासों से मध्य प्रदेश में पार्टी की संगठनात्मक ताकत को आधार मिला। आपकी सफलता ने लोक सभा में 1989 से और तत्पश्चात विधान सभा चुनावों में बी जे पी की आश्चर्यजनक चुनावी दौर की आधारशिला रखी। जनसंघ और बी. जे. पी के अनेक अग्रणी नेताओं की तरह आपने आज के दौर के बी.जे.पी. संगठन का ताना-बाना बुना जिससे पार्टी को आप जैसे व्यक्ति के अनुभवों से आत्मविश्वास से ओत-प्रोत शासन कला को सीखने का अवसर मिला। आप परिणाम की चिंता किए बगैर समाज के लिए अच्छाई की राह पर चलने में हमेशा विश्वास करते थे। आपका जीवन समाज की भलाई एवं कल्याण के प्रति समर्पित था। आपका जीवन समाज के आदर्श व्यक्ति का है। अपने राजनीतिक कार्यकाल में आप अपनी अंतिम साँसों तक पार्टी के एक उत्कृष्ट व्यक्तित्व बने रहे हैं।

5. आपका देहावसान 28 दिसम्बर, 2016 को हो गया।